×

श्रम विमाग

श्रादेश

दिनांक 18 ग्रगस्त, 1984

सं ग्रो.वि./रोह/191-84/31168.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये हैं कि मैं लक्ष्मी प्रीसिजन स्कृगुज लि० हेसार रोड़, रोहनक के श्रमिकों तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रोगोगिक विवाद है ;

श्रीर चूं कि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निदिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, उक्त ग्रीचोगिक विवाद श्रिष्ठिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गर्ड शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 7-क के श्रिष्ठीन गठित, श्रीद्योगिक श्रिष्ठिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमकों के बीच या तो विवादग्रस्त गमला/मामले हैं, श्रिथबा विवाद से संगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं, न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

- 1, क्या श्रमिकों द्वारा की गई हड़ताल वैधानिक है या नहीं ? यदि हां तो किस विवरण में ?
- 2. स्था श्रमिकों द्वारा की गई हड़ शत के दिनों का बेतन लेते के हक्क शर है ? यदि हां, तो किस विवरण में ?
- 3. (क) क्या सर्वश्री राज कुमार पुत्र श्री मान सिंह, सुरिन्दर कुमार, राज कुमार, पुत्र श्री राम सिंह, धर्मपाल, चमनजीत सिंह, अवेह राम, सुखिवन्द्र, गोंधवीर तथा जोगिन्द्र सिंह की सेवाओं का समापन विधिपूर्वक है या नहीं यदि नहीं, तो वे किस राहत के हकदार है ?
 - (ख) क्या सर्वश्री ग्रणोक तथा जैवीर सिंह के निलम्बन करने की कारवाई उचित है या नहीं ? <mark>यदि नहीं,</mark> तो वे किस राहत के हकदार है ?

सं० ग्री.वि./रोह/191-84/31183.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल कि राय है कि मैं. नवभारत इन्डस्ट्रीज, हिसार 13, रोहनक के श्रमिकों तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखिन मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है ;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, उन्त भौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, ¶947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उन्त ग्रिधिनियम की धारा 7(क) के ग्रधीन श्रीद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले, जो कि उक्त प्रवन्धको तथा श्रिमिकों के वीच या तो विवादग्रस्त मामला/ नामले हैं ग्रथवा विवाद से संगत या सम्बन्धित मामले/मामला है/हैं, न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करते हैं:——

- 1. क्या श्रमिकों द्वारा की गई हड़ताल वैधानिक हैं या नहीं ? यदि हां, तो किस विवरण में ?
- 2. क्या श्रमिक हड़ताल के दिनों का चेतन लेने के हक्दार हैं ? यदि हां, तो किस विवरण में ?
- 3. (क) क्या सर्व श्री ण्याम सुन्दर, बलवान सिंह, राजवीर सिंह तथा बलवान सिंह पंचाल की सेवा समापन विधि पूर्वक है या नहीं ? यदि नहीं, तो वे किस राहत के हकदार हैं ?
 - (ख) क्या सर्वश्री के॰ एल॰ दुआ, होशियार सिंह, तथा मांगे राम की निलम्बन की कारबाई उचित है या नहीं ? यदि नहीं, तो वे किस राहत के हकदार है ?

एम० सेठ,

वित्तायुक्तः एवं सचिव हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार यिभाग